बालविहार हिन्दी पाठशाला

स्नातक शपथ

मैं, बालविहार स्नातक अपने गुरु, ईश्वर और माता.पिता को साक्षी मान कर वचन देती /देता हूँ कि मैं अपने ज्ञान का सदुपयोग करूँगी /करूँगा |

आजीवन बड़ों का सम्मान और छोटों से प्यार करूँगी / करूँगा। अधर्म, अन्याय और असत्य के सामने कभी नहीं झुकूँगी /झुकूँगा सदा सत्य की राह पर चलूँगी/ चलूँगा |

सभी पंथों का सम्मान करते हुए अपने पंथ और अपनी हिंदु संस्कृति पर अडिग रहूँगी / रहूँगा | अपनी मातृभाषा, कुल तथा स्वयं पर सदा गर्व करूँगी /करूँगा ।

मैं समाज के भीतर अनुशासित ढंग से रहकर परिवार, समाज, देश तथा विश्वकल्याण के लिये कार्य करूँगी / करूँगा तथा मानवता के मूल्यों को स्थापित करूँगी / करूँगा

जीव.जंतु, पेड़, पौधे सभी के साथ प्रकृति का अंग बनकर रहूँगी / रहूँगा वसुधैव कुटुम्बकम अर्थात समस्त संसार एक परिवार है इस सारांश को स्वीकार करूँगी/ करूँगा

मैं आवश्यकता पड़ने पर परिवार कल्याण के लिये अपने व्यक्तिगत स्वार्थ का,समाज के लिये परिवार का, देश के लिये समाज का तथा विश्व के लिये, देश का त्याग करूँगी/ करूँगा

मैं मन, वचन तथा कर्म तीनों से इन सब का पालन करूँगी ।

© Balvihar Hindi School Atlanta (VHPA)